Class: VII

कार्य - पत्रक
कक्षा - VII
विषय - हिन्दी

खान पान की बदलती तस्वीर

प्रश्न: खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है?

उत्तर: खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का तात्पर्य है सभी प्रांतों में खानपान के आधार पर मेलजोल होना, लोगों ने अपनी पसंद के आधार पर एक दूसरे प्रांत की खाने की चीजों को अपने भोज्य पदार्थों में शामिल किया है.

प्रश्न: खानपान में बदलाव के कौन से फ़ायदे हैं? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है?

उत्तर: खानपान में बदलाव से निम्न फ़ायदे हैं.

1. एक प्रदेश की संस्कृति का दूसरे प्रदेश की संस्कृति से मिलना.
2. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलना.
3. गृहिणियों व कामकाजी महिलाओं को जल्दी तैयार होने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ उपलब्ध होना.
4. बच्चों व बड़ों को मनचाहा भोजन मिलना.
5. देश-विदेश के व्यंजन मालूम होना.

खानपान में बदलाव से होने वाले फ़ायदों के बावजूद लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित है क्योंकि उसका मानना है कि आज खानपान की मिश्रित संस्कृति को अपनाने से नुकसान भी हो

1. स्थानीय व्यंजनों का चलन कम होता जा रहा है जिससे नई पीढ़ी स्थानीय व्यंजनों के बारे में जानती ही नहीं.
2. खाद्य पदार्थों में शुद्धता की कमी होती जा रही है.
3. उत्तर भारत के व्यंजनों का स्वरूप बदलता ही जा रहा है.

प्रश्न: 3. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है?

उत्तर:- खानपान के मामले में स्थानीयता का अर्थ है किसी विशेष स्थान के खाने-पीने का विशेष व्यंजन। जिसका प्रचलन दूर-दूर तक हो। जैसे-मुंबई की पाव-भाजी, दिल्ली के छोले-कुलचे, मथुरा के पेड़े व आगरे के पेठे-नमकीन आदि.

भाषा की बात

प्रश्न: शब्द — वाक्यों में प्रयोग

उत्तर:
1. सीना-पिरोना — सभी लोगों को सीना-पिरोना आना चाहिए।
2. भला-बुरा — सीता की सहेली ने राम को भला-बुरा कहा।
3. चलना-फिरना — चलना फिरना एक अच्छी कसरत है।
4. लंबा-चौड़ा — रमेश का भाई लंबा-चौड़ा है।
5. कहा-सुनी — सास-बहू की कहा-सुनी होना तो आम बात है।
6. घास-फूस — गाय-फूस खाती है।

प्रश्न: 2. उत्तर: इटली - दक्षिण
केरल - ओणम
छुट्टी - आराम
कथकली - नृत्य
चौका-दौड़ - केरल
मौज-मस्ती - छुट्टी